अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2019) **दिनांक :** 17.12.2019

समय : 3 घंटा **तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

तेरापंथ का इतिहास–70

प्र. 1 किन्हीं ग्यारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 11

आचार्य श्री मघवागणी (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) वे तो इतने चारित्र-निष्ठ हैं कि यदि अकेली स्त्री के सम्मुख एकांत में रख दिया जाए तो भी हमें शंका नहीं होगी। यह विश्वास किसने किसके प्रति व्यक्त किया?

(ख) जयाचार्य ने अपने शासनकाल का प्रथम चातुर्मास कहाँ किया? और कार्तिक मास में वहाँ किसे दीक्षित किया?

(ग) बालक मघवा व बहिन गुलाब ने तत्वज्ञान सीखना किसकी सन्निधि में प्रारम्भ किया?

(घ) मघवागणी की पद्यात्मक कृति कौन सी व कितने पत्र प्रमाण हैं?

(ङ) सांवलदास जी को कविराज की उपाधि किसने व कहाँ दी?

(च) मघवागणी का चबूतरा बनवाने में कितने रुपयों का व्यय हुआ?

आचार्य श्री माणकगणी (किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दें)

(छ) माणकगणी को दीक्षा के कितने वर्षों पश्चात व कब अग्रणी बनाया गया?

(ज) मुनि माणकलाल जी के कीड़ीनगरा रोग का उपचार किसने किया?

(झ) माणकगणी ने आचार्य बनने के पश्चात सन्तों को क्या सुविधा दी?

(ञ) तेरापंथ धर्म संघ माणकगणी के देहावसान के पश्चात कितने समय तक आचार्य विहीन रहा?

(ट) जयाचार्य ने जयपुर से विहार किया तब उनके साथ कितने व कौन-कौन से वैरागी थे?

आचार्य श्री डालगणी (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(ठ) डालमुनि पर पानी गिराते हुए जाने का आरोप कहाँ व किसने लगाया?

(ड) टंकारा में डालमुनि की भक्ति किसने की? और क्या पूछा?

(ढ) 'बृहत्कल्प सूत्र' के अनुसार कब का मक्खन कब तक भोगा जा सकता है?

(ण) आडेल के चौधरियों ने डालमुनि से कौन सा त्याग किया?

(त) आचार्य श्री डालगणी ने साध्वी मानकंवर जी का वंदना निषेध क्यों किया?

(थ) दीक्षार्थिनी का पति आज्ञा नहीं दे रहा है, इसलिए यह दीक्षा नहीं हो सकती। यह विरोध कहाँ व किसकी दीक्षा के संदर्भ में हुआ?

आचार्य श्री मघवागणी–21

प्र. 2 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) मघवागणी के शासनकाल में हुए षाण्मासिक तप का विवेचन करें।

(ख) गोगुन्दा के रावजी ने कहा–आपने अनेक व्यक्तियों के घर उठा दिए। तब मघवागणी ने क्या फरमाया?

(ग) मघवागणी को कौन-कौन से ग्रन्थ कंठस्थ थे?

प्र. 3 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) मघवागणी के समग्र साहित्य का उल्लेख करते हुए साहित्य का नामोल्लेख करें।

(ख) 'दो चातुर्मासों की घोषणा' घटना प्रसंग लिखें।

प्र. 4 सिद्ध करें कि मुनि मघवा का व्यक्तित्व एक विकासशील साधु का व्यक्तित्व था।– 11

अथवा

विविध घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि मघवागणी की शान्त प्रकृति और सौम्य मुद्रा ने सबके हृदय पर विजय पा ली थी।

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) लाला जी ने कहा–माणक को संयम के कष्टों का कोई पत्ता नहीं। विहार में भार उठाकर चलना तो और भी कठिन कार्य है। तब जयाचार्य ने उन्हें दीक्षा की आज्ञा के लिए क्या प्रेरणा दी?

(ख) संक्षेप में स्पष्ट करें कि यति शिवजीराम जी तेरापंथ की एकता और अनुशासन की पद्धति से बहुत प्रभावित हुए।

(ग) आचार्य विहीन संघ में मुनि कालूराम जी, मुनि मगनलाल जी व मुनि कालू जी ने किन-किन कार्यों को सम्पादित किया?

प्र. 6 माणकगणी के युवाचार्य नियुक्ति का वर्णन करें। 12

अथवा

'चिरंजीकांड' घटना प्रसंग लिखें।

आचार्य श्री डालगणी–21

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) डालगणी ने अग्रणी काल में किन-किन व्यक्तियों को दीक्षित किया? नामोल्लेख करें।

(ख) डालगणी ने किस-किसकी आराधना से अपनी आत्मा को अधिकाधिक भावित किया?

(ग) मेघराज जी आंचलिया ने अपने व्रतों को कसते हुए कौन-कौन से व्रत स्वीकार किए?

प्र. 8 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) घटना प्रसंग से स्पष्ट करें कि डालगणी मनुष्य की पहचान करने में बड़े पारखी थे।

(ख) घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि डालमुनि का व्यक्तित्व ही कुछ ऐसा था कि उनसे कोई सहज ही प्रभावित हो जाता था।

प्र. 9 संघ हितैषी व्यक्तियों की प्रार्थना डालगणी द्वारा भावी व्यवस्था, साधुओं को शिक्षा और पुरस्कार सभी विषयों का विस्तार से उल्लेख करें। 12

अथवा

डालमुनि की तीसरी कच्छ यात्रा का उल्लेख करें।

तुलसी प्रबोध–21

प्र. 10 कोई दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 14

(क) 'दीक्षा-विरोध' वाला पद्य लिखें।

(ख) 'अणुव्रत का प्रथम अधिवेशन' वाला पद्य।

(ग) 'बीकानेर प्रथम पावस' वाला पद्य।

(घ) 'सांप छछूंदर गति-सो भार' वाला पद्य।

(ङ) 'बाव-स्पर्श' वाला पद्य।

प्र. 11 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें– 7

(क) वातावरण.....स्वीकार हो।।

(ख) लल्लूजी री.....तकदीरदार हो।।

(ग) दियो अशान्त.....दिखार हो।।

तेरापंथ प्रबोध–9

प्र. 12 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) 'जीवन विज्ञान' वाला पद्य।

(ख) 'पंचम आरै री कठिनाई' वाला पद्य।

(ग) 'भिक्षु स्वामी के साहित्य' वाला पद्य।

(घ) 'गणधारी हो ब्रह्मचारी! म्हांनै थांरी याद सतावै' गीत वाला पद्य।

(ङ) 'भादूड़ी तेरस आई है' गीत वाला पद्य।